सी एम एफ आर आइ द्वारा पिंजरा मछली पालन का प्रोत्साहन

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला तालुक में शिरूर गॉव के गंगावली नदीमुख में कम लवणता के खुले सागर में स्थापित पिंजरे में कोबिया मछली राचिसेन्ट्रोन कनाडम का सफलतापूर्वक फसल संग्रहण किया गया। राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन एफ डी बी) द्वारा प्रायोजित परियोजना 'केरल और कर्नाटक के चुने गए जिलों में एकीकृत खुला सागर पिंजरा मछली पालन' के अंतर्गत सी एम एफ आर आइ कारवार अनुसंधान केन्द्र के तकनीकी मार्गदर्शन से मछली पालन किया गया। पिंजरा मछली पालन का मुख्य हितधारक श्रीमती भूदेवी हरिकंत्रा था। लगभग 4 X 4 X 3 वर्ग मीटर के आकार वाले जी आइ पिंजरों में दिसंबर 2018 महीने में 15 ग्राम के औसत आकार वाले करीब 1700 कोबिया अंगुलिमीनों का संभरण किया गया। आहार के रूप में कम मूल्य वाली मछली देकर 183 दिनों तक पालन करने पर करीब 1140 मछलियों का संग्रहण किया जा सका और इस तरह कुल 500 कि. ग्रा. कोबिया मछलियों का संग्रहण किया गया।

उत्तर कन्नड़ जिले में कम लवणता की परिस्थिति में पालन की गयी कोबिया मछलियों का फसल संग्रहण

कायमकुलम के पश्चजलों में पिंजरों की स्थापना का दृश्य

एन एफ डी बी की वित्तीय समर्थन और विषिंजम अनुसंधान केन्द्र की तकनीकी सहायता से पश्चजल में मछुआरों द्वारा कुल 43 पिंजरों की स्थापना की गयी। श्रीमती जे. मेर्सिकुट्टिअम्मा, माननीय मंत्री, मात्स्यिकी एवं हार्बर इंजिनीयरिंग, केरल सरकार ने दिनांक 13 मई, 2019 को कार्यक्रम का उद्घाटन किया।